



UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS  
General Certificate of Education Advanced Subsidiary Level

www.PapaCambridge.com

HINDI LITERATURE

8675/04

Paper 4 Texts

October/November 2012

2 hours 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

**READ THESE INSTRUCTIONS FIRST**

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.

Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.

Write in dark blue or black pen.

Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.

Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.

Dictionaries are **not** permitted.

You may **not** take set texts into the examination.

You should write between 500 and 600 words for each answer.

You are advised to divide your time equally between your answers.

At the end of the examination, fasten all your work securely together.

The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

**उत्तर लिखने के पहले इन निर्देशों को पढ़िए:**

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी गयी है तो उसके मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण कीजिए।

परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर अपना नाम, केन्द्र-संख्या और छात्र-संख्या हर उत्तर-पृष्ठ पर लिखिए।  
गहरे नीले या काले रंग की स्याही वाली कलम से लिखिए।

स्टेपलर, पेपर-क्लिप, हाईलाइटर और गोंद या करेक्शन फ्लुइड का प्रयोग न करें।

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए, तीनों प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों में से चुने जाने चाहिए। भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।

अपने उत्तर, दी गई उत्तर-पुस्तिका पर, हिन्दी में लिखिए।

शब्दकोश का प्रयोग मना है।

आप परीक्षा में पाठ्य पुस्तक नहीं ले जा सकते हैं।

आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए।

आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिये एक समान समय दें।

परीक्षा के अंत में अपना सब काम सुरक्षित रूप से धागे से एक साथ बाँध दें।

हर प्रश्न के अन्त में कोष्ठक [ ] के अन्दर उस प्रश्न के अधिकतम अंक लिखे हुए हैं।

This document consists of 5 printed pages and 3 blank pages.



**भाग 1****1 कबीर ग्रंथावली – कबीरदास और श्री रामचरितमानस – तुलसीदास**

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(क) निम्नलिखित दोहों की व्याख्या कीजिए और इन दोहों के आधार पर कबीरदास के धार्मिक सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।

माला पहरेँ मनमुषी, ताथैँ कछू न होइ।  
 मन माला कौँ फेरतां, जग उजियारा सोइ॥  
 माला पहरे मनमुषी, बहुतेँ फिरेँ अचेत।  
 गांगी रोलै बहि गया, हरि सूँ नाहीं हेत॥  
 कबीर माला काठ की, कहि समझावै तोहि।  
 मन न फिरावै आपणां, कहा फिरावै मोहि॥

भेष कौ अंग

[25]

या

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश के आधार पर तुलसीदास की नारी भावना की विवेचना कीजिए।

[25]

## 2 प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

- (क) निम्नलिखित काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या करते हुए कवि ने जिन मानवीय मूल्यों का संदेश दिया है उस पर टिप्पणी कीजिए।

शव को दें हम रंग, आदर मानव का  
 मानव को हम कुत्सित चित्र बना दें शव का?  
 गत युग के मृत आदर्शों के ताज मनोहर  
 मानव के मोहंध हृदय में किए हुए घर,  
 भूल गए हम जीवन का संदेश अनश्वर,  
 मृतकों के हैं मृतक जीवितों का है ईश्वर!

ताज

[25]

या

- (ख) 'भावों की मुक्ति छंदों की भी मुक्ति चाहती है। यहाँ भाषा, भाव और छन्द तीनों स्वच्छन्द हैं।'  
 निराला के इस कथन की पुष्टि पाठ्यक्रम में निर्धारित उनकी कविताओं के आधार पर कीजिए। [25]

### 3 मैथिलीशरण गुप्त – यशोधरा

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(क) निम्नलिखित काव्यांश का भावार्थ संदर्भ सहित लिखिए।

मानिनि, मान तजो लो, रही तुम्हारी बान!  
 दानिनि, आया स्वयं द्वार पर यह तब तत्रभवान!  
 किसकी भिक्षा न लूँ, कहो मैं? मुझको सभी समान,  
 अपनाने के योग्य वही तो जो हैं आर्त-अजान।  
 राजभवन के भोगों में था दुर्लभ वह जलपान,  
 किया राम ने गुह-शबरी से जिसका स्वाद बखान।  
 शिक्षा के बदले भिक्षा भी दे न सकें प्रतिदान,  
 तो फिर कहो, उग्रहण हों कैसे वे लघु और महान?  
 माना, दुर्बल ही था गौतम छिपकर गया निदान,  
 किंतु शुभे, परिणाम भला ही हुआ, सुधा-सन्धान।  
 क्षमा करो सिद्धार्थ शाक्य की निर्दयता प्रिय जान,  
 मैत्री-करुणा-पूर्ण आज वह शुद्ध बुद्ध भगवान।

यशोधरा

[25]

या

(ख) 'रे मन आज परीक्षा तेरी।' यशोधरा का तात्पर्य किस परीक्षा से है?  
 क्या वह इस परीक्षा में सफल हो सकी?

[25]

**भाग 2****4 जयशंकर प्रसाद – ध्रुवस्वामिनी**

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

- (क) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की कथावस्तु के आधार पर चन्द्रगुप्त और रामगुप्त के चरित्र का तुलनात्मक वर्णन कीजिए। [25]

या

- (ख) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की घटनाओं के आधार पर उसकी नायिका के मानसिक अंतर्विरोध का विश्लेषण कीजिए। [25]

**5 आधुनिक कहानी संग्रह- सरोजिनी शर्मा**

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

- (क) 'पूस की रात' कहानी में हल्कू का अंतिम वाक्य, "रात की ठण्ड में यहाँ सोना तो न पड़ेगा", किस मनोवैज्ञानिक सत्य का निरूपण करता है? [25]

या

- (ख) " 'मानसरोवर के हंस' एक प्रतीकात्मक कहानी है।" कहानी की कथावस्तु का विश्लेषण करते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

**6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ – सम्पादक: अभिमन्यु अनत**

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

- (क) 'टूटा पहिया' शीर्षक कहानी में अभिमन्यु अनत ने किस सामाजिक विघटन का चित्रण किया है? भयवा यूसुफ के जीवन की घटनाओं के उदाहरण द्वारा इसका स्पष्टीकरण कीजिए। [25]

या

- (ख) कथाशिल्प की कसौटी पर पुष्पा बम्मा की 'फिसलन' शीर्षक कहानी की गणना किस श्रेणी में और क्यों की जायेगी? [25]





